

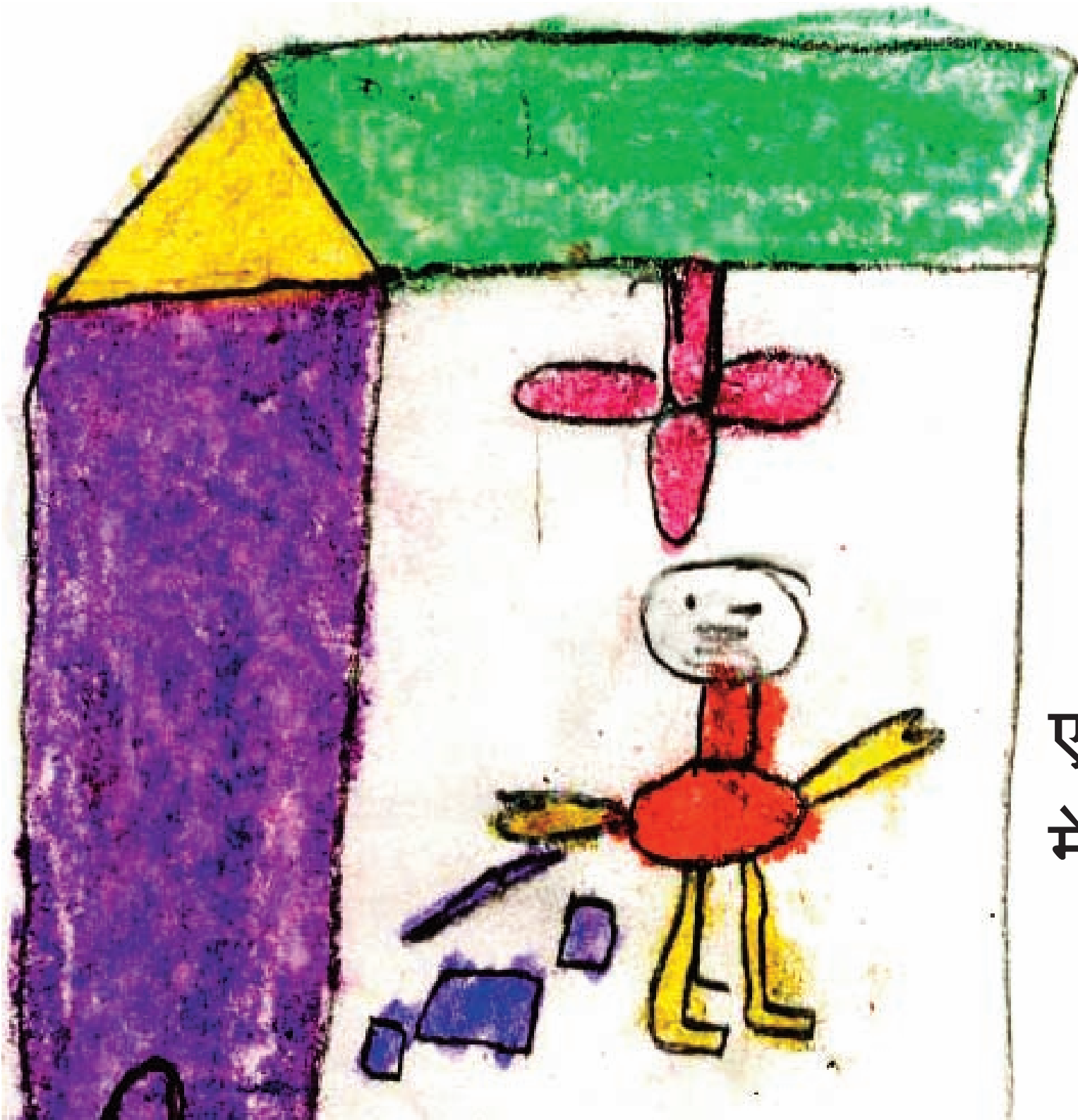
एक कबूतर

आलिया



एक कबूतर

आलिया



एक दिन मैं घर
में बैठी थी।



अम्मी खाना बना
रही थी ।



कबूतर उड़ता हुआ
आया ।



कबूतर पंखे
से टकरा
गया और
उसका पंख
कट गया ।

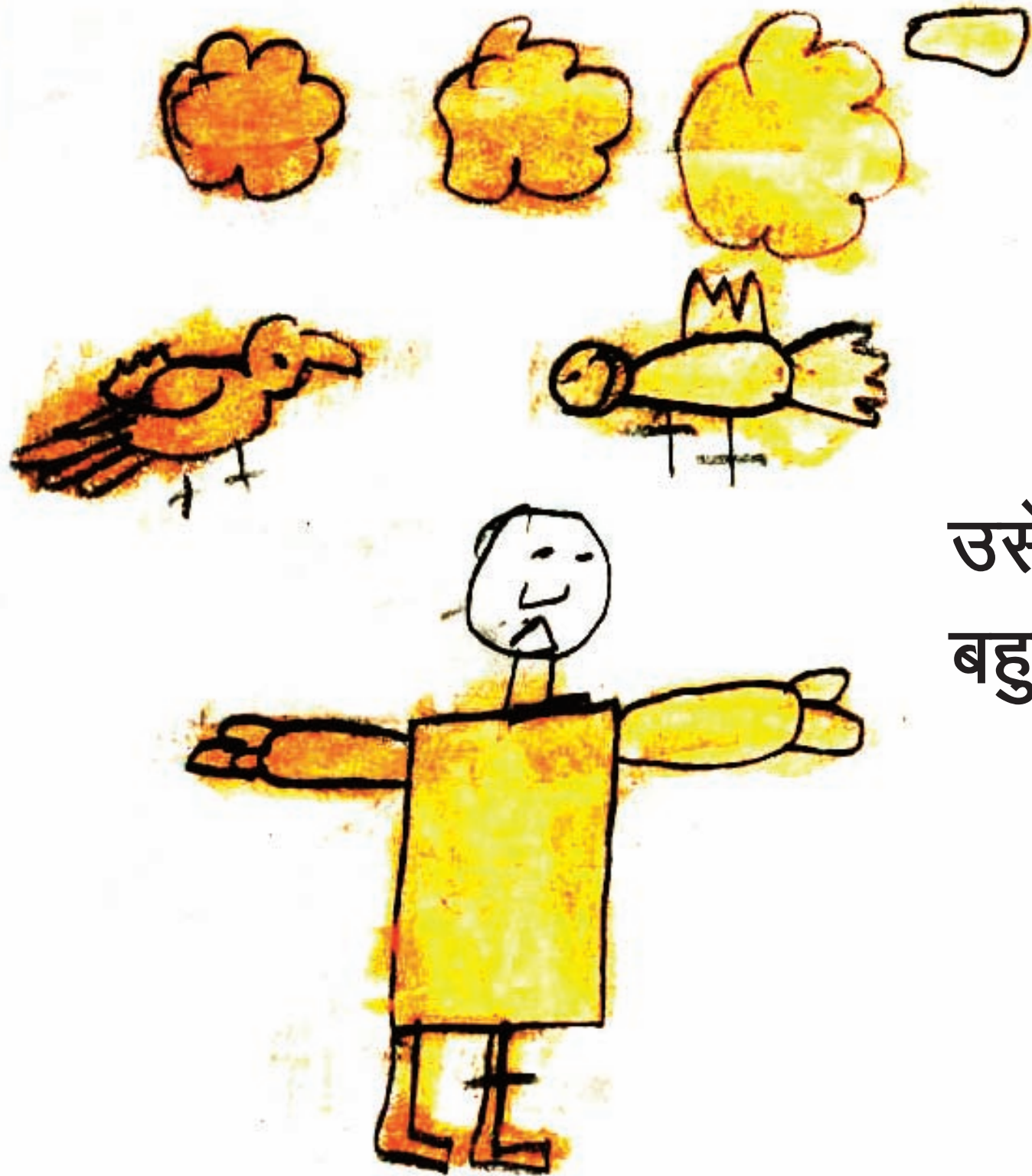


उसके खून निकल
आया ।

मैंने उसे दवाई
लगाई ।



कबूतर ठीक हो
गया और वो उड़ने
लगा ।



उसे उड़ता देख मैं
बहुत खुश हुई।

एक कबूतर



लेखन और चित्र: आलिया

लर्निंग कलेक्टिव, जे.पी.कॉलोनी, नई दिल्ली-110002

प्रकाशक : अंकुर सोसायटी फॉर ऑल्टर्नेटिव्ज़ इन एजुकेशन

2014